
FULL STOP - 23

अव्यक्त बापदादा :-

» _ » अभी तक जो हुआ उसको फुल स्टॉप। बीती को चिन्तन में न लाओ इसको कहा जाता है - तीव्र पुरुषार्थ। अगर बीती को चिन्तन करते तो समय, शक्ति, संकल्प सब वेस्ट हो जाता है - अभी वेस्ट करने का समय नहीं है।

» _ » संगम युग की दो घड़ी अर्थात दो सेकेण्ड भी वेस्ट की तो अनेक वर्ष वेस्ट कर दिये। संगम की वैल्यू को जानते हो ना! संगम का एक सेकेण्ड कितने वर्षों के बराबर है। तो एक दो सेकेण्ड नहीं गंवाया लेकिन अनेक वर्ष गँवा दिये।

» _ » इसलिए अब फुलस्टॉप लगाओ। जो फुलस्टॉप लगाना जानता है वह सदा फुल रहेगा।

(21.10.1980)

➤➤ तीव्र पुरुषार्थ की परिभाषा

» _ » जो गलती एक बार हो गयी है, वह दुबारा न हो

» _ » जो अवस्था अब है, एक सेकंड बाद उससे बेहतर अवस्था हो

» _ » एक सेकंड में फुल स्टॉप लगाना

» _ » जो बीत गया, उसको बिंदी लगाना

➤➤ बीती बातों का चिंतन क्यों करते हैं ?

» _ » जब मन आहत हो जाता है, तो वह बात उसे याद आती है

» _ » दुःख का भी Addiction हो जाता है

→ और मन बार बार उन्ही दुःखदाई बातों को याद करने लगता है

→ मन में विचारों का प्रवाह आता ही रहता है

➤➤ बीती बातों को कैसे भूलें ?

» _ » दृढ़ संकल्प - Decision

→ मुझे इन बातों का चिंतन नहीं करना है

» _ » Expression

→ उसे व्यक्त कीजिये - बाबा को पत्र लिखिए

■ नहीं तो Pressure Cooker एक दिन फट सकता है

» _ » STOP THE BLAME GAME

→ Neither Blame Others Or Yourself....

→ Take The Responsibility Of Your Own Happiness

■ क्या लेना है ... सुख या दुःख ? Choice Is Yours.....

➤ ➤ ➤ वर्तमान में जीना (Here & Now)

→ पास्ट का चिंतन करते करते वर्तमान हाथो से निकला जा रहा है

➤ ➤ ➤ Forgive..

→ “क्षमा कर दीजिये” - यह भगवान की आज्ञा है

➤ ➤ ➤ Sweet Memories को याद करें

→ बहुत सा अच्छा समय भी तो था... उसे याद करें
